

दूरस्थ शिक्षा संस्थान  
राजीव गांधी विश्वविद्यालय  
रोनो हिल्स, दोईमुख  
ईटानगर



स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

विषय : हिन्दी (प्रथम एवं द्वितीय वर्ष)

वर्ष २०१४-२०१५ से प्रभावी

दूरस्थ शिक्षा संस्थान  
राजीव गांधी विश्वविद्यालय  
रोनो हिल्स, दोईमुख  
ईटानगर

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम  
विषय : हिन्दी (प्रथम एवं द्वितीय वर्ष)

वर्ष २०१४-२०१५ से प्रभावी

MDEHN 101	हिन्दी साहित्य का इतिहास
MDEHN 102	आदिकालीन और मध्यकालीन काव्य
MDEHN 103	लोक साहित्य
MDEHN 104	भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि
MDEHN 201	आधुनिक काव्य
MDEHN 202	हिन्दी गद्य साहित्य
MDEHN 203	प्रयोजनमूलक हिन्दी
MDEHN 204	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा समालोचना

इकाई १ साहित्य का इतिहास और इतिहास लेखन की पद्धतियाँ; हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा; हिंदी साहित्य का आरंभ; आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि, नामकरण, सीमांकन, साहित्य की विविध धाराएं - रासो, नाथ, जैन, बौद्ध-सिद्ध साहित्य एवं लोक काव्य; आदिकाल का गद्य साहित्य; आदिकालीन साहित्य की सामान्य प्रवृत्तियाँ; आदिकालीन साहित्य की भाषा।

इकाई २ मध्यकालीन हिंदी साहित्य: भक्तिकाल की पृष्ठभूमि, नामकरण एवं सीमांकन; भक्ति आंदोलन का विकास और व्याप्ति, भक्ति साहित्य की विभिन्न धाराएं- परिचय, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाएं और रचनाकार; संत काव्य, सूफी काव्य, कृष्ण काव्य; राम काव्य; भक्तियेतर काव्य; भक्तिकाल का गद्य साहित्य; भक्तिकालीन साहित्य और लोकजागरण।

रीतिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि: राजनैतिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक; रीतिकाल का अभिप्राय; नामकरण और सीमांकन; रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएं- सामान्य परिचय, रचनाएं, रचनाकार एवं प्रमुख प्रवृत्तियाँ; रीतिकालीन गद्य साहित्य, रीतिकालीन काव्य की काव्य भाषा।

इकाई ३ आधुनिक काल की पृष्ठभूमि सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक; आधुनिक काल का प्रारम्भ और नामकरण; उन्नीसवीं शताब्दी में स्वाधीनता संघर्ष एवं भारतीय नवजागरण, भारतेन्दु पूर्व खड़ी बोली के कवि-संत गंगादास एवं अन्य; हिन्दी काव्य को

भारतेन्दु का अवदान; भारतेन्दु मण्डल के कवि तथा अन्य कवि;  
काव्य भाषा का संघर्ष और भारतेन्दु युग; भारतेन्दु युगीन कविता की  
मूल चेतना और विशेषताएं।

द्विवेदी युग: नये काव्य-परिवर्तन का स्वरूप; महावीर प्रसाद द्विवेदी  
और तत्कालीन हिंदी कविता; द्विवेदी युगीन कविता: प्रमुख प्रवृत्तियां,  
रचनाएं एवं रचनाकार।

छायावाद: पृष्ठभूमि, नामकरण और सीमांकन; प्रमुख छायावादी कवि  
और उनका काव्य; छायावादकालीन अन्य प्रमुख कवि और उनका  
काव्य; छायावादी कविता के मान-मूल्य; छायावादकालीन कविता का  
समाज-सांस्कृतिक और राजनैतिक चरित्र; छायावादकालीन काव्य-  
भाषा का स्वरूप।

इकाई ४ उत्तर छायावादी काव्य और काव्यान्दोलन-प्रगतिशील काव्य, प्रयोगवाद,  
नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता व अन्य काव्य-परिवर्तन।  
प्रमुख छायावादोत्तर कवि और उनकी रचनाएं। दलित-चेतना, स्त्री-  
चेतना और जनजातीय चेतना की कविताएं।

स्वाधीनता आन्दोलन और हिंदी गद्य साहित्य

देश -विभाजन और हिंदी गद्य साहित्य

दलित -चेतना और हिंदी गद्य साहित्य

स्त्री -चेतना और हिंदी गद्य साहित्य

जनजातीय चेतना और हिंदी गद्य साहित्य

स्वाधीन भारत का जीवन यथार्थ और हिंदी गद्य साहित्य

भूमंडलीकरण और हिंदी गद्य साहित्य

इकाई ५ हिंदी गद्य की प्रमुख विधाओं का उद्भव और विकास:

नाटक, निबंध, उपन्यास, कहानी, एकांकी, आलोचना, जीवनी, आत्मकथा, संस्मरण, रेखाचित्र, साक्षात्कार, यात्रा-साहित्य, पत्र-साहित्य, डायरी-साहित्य और रिपोर्टाज।

दक्खिनी हिंदी साहित्य के इतिहास का सामान्य परिचय।

उर्दू साहित्य के इतिहास का सामान्य परिचय, हिंदी-उर्दू साहित्य का पारस्परिक सम्बन्ध

हिंदी की साहित्यिक पत्र-पत्रिकाएं: प्रारंभ एवं विकास

अंक विभाजन

पूर्णांक :- १००

आन्तरिक :- २०

बाह्य :- ८०

निर्देश:

१. प्रत्येक इकाई से एक-एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य होगा।  $१५ \times ३ = ४५$
२. प्रत्येक इकाई से दो-दो लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा।  $५ \times ५ = २५$
३. सभी इकाईयों से १० बहुविकल्पीय प्रश्न किये जायेंगे, सभी का उत्तर देना अनिवार्य होगा।  $१ \times १० = १०$

## MDEHN 102 आदिकालीन और मध्यकालीन काव्य

इकाई १

चन्दवरदाई- पृथ्वीराज रासो- राजनैतिक यथार्थ, सामंतवादी परिदृश्य, प्रामाणिकता, काव्य-शैली और भाषा, सौन्दर्य-चेतना का स्वरूप, युद्धवर्णन, प्रकृति।

पाठांश - संयोगिता परिणय (चयनित अंश)

विद्यापति - लोक संस्कृति, गीति परंपरा, श्रृंगार और भक्ति  
सौन्दर्य चेतना, तत्कालीन राजनैतिक परिदृश्य।

पाठांश - विद्यापति पदावली (५ चयनित पद)

इकाई २

कबीर - सामाजिक चेतना - क्रान्तिकारिता, धार्मिक कर्मकाण्ड और कबीर, भक्ति आन्दोलन और कबीर, कबीर का काव्य, काव्य भाषा।

पाठांश - हजारी प्रसाद द्विवेदी के कबीर से १० चयनित पद

जायसी - सूफी दर्शन और जायसी, प्रेमाख्यान परंपरा और जायसी, पद्मावत में लोक-तत्त्व, पद्मावत की रचना शैली, जायसी की काव्य भाषा, जायसी के प्रमुख पात्र

पाठांश - नागमती वियोग खण्ड

इकाई ३

तुलसी - तुलसी की समाज-सांस्कृतिक दृष्टि; भारतीय जीवन-मूल्य और तुलसी का काव्य; भारतीय जीवन को रामचरितमानस की देन; तुलसी के राम; तुलसी की स्त्री संबन्धी धारणा; कलिकाल, वर्तमान जीवन यथार्थ और तुलसी; तुलसी की काव्य-शैलियां; सौन्दर्य-दृष्टि,

/ (56) (88)

काव्य-भाषा, शास्त्रीय ज्ञान परंपरा और तुलसी का काव्य, तुलसी के प्रमुख पात्र।

पाठांश - १. 'रामचरितमानस' के उत्तर काण्ड से  
चयनित अंश

२. 'कवितावली' से ५ चयनित पद

सूरदास - कृष्ण काव्य की परंपरा में सूरदास; पुष्टिमार्ग और सूरदास; लोकजीवन और सूरदास; किसान जीवन और सूर का काव्य; भ्रमरगीत की परंपरा और सूरदास का काव्य; सूर के काव्य में वात्सल्य वर्णन और बाल मनोविज्ञान; ब्रज भाषा को सूर की देन; भक्तिकालीन गीतिकाव्य और सूर; अष्टछाप का दर्शन और सूर; सूर की गोपियां।

पाठांश- 'भ्रमरगीत सार' से १० चयनित पद।

मीरा - कृष्ण काव्य की परंपरा में मीरा, सामंतवाद को चुनौती और मीरा का काव्य, मीरा के काव्य में स्त्री चेतना, मीरा की काव्य भाषा, प्रेम दीवानी मीरा।

पाठांश- मीरा के दस पद

बिहारी - शृंगार परंपरा और बिहारी सतसई, दरबारी संस्कृति और बिहारी का काव्य, 'सतसैया के दोहरे ज्यों नावक के तीर' की कसौटी पर बिहारी का काव्य, बिहारी का काव्य-वैभव, बिहारी की काव्य भाषा। बिहारी की बहुज्ञता, मुक्तक काव्य परम्परा और बिहारी।

पाठांश- 'बिहारी सतसई' से १५ दोहे

घनानंद- 'अति सूधो सनेह को मारग है' की कसौटी पर घनानंद का काव्य; स्वच्छंदतावादी काव्य का स्वरूप और घनानंद का काव्य; घनानंद की सौंदर्य चेतना, घनानंद की काव्य-भाषा; घनानंद के काव्य में प्रकृति; घनानंद की सुजान।

पाठांश - घनानंद कविता से १० चुने हुए पद  
 केशव - राम काव्य परम्परा और रामचन्द्रिका; केशव का आचार्यत्व;  
 रामचन्द्रिका की संवाद योजना;  
 'रामचन्द्रिका' के लंका काण्ड से अंगद रावण संवाद ।

अंक विभाजन  
 पूर्णांक :- १००  
 आभ्यन्तर :- २०  
 बाह्य :- ८०

निर्देश:

१. प्रत्येक इकाई से एक-एक व्याख्या पूछी जायेगी, , जिनमें से किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या करनी अनिवार्य होगी।  $3 \times 8 = 24$  अंक
२. प्रत्येक इकाई एक-एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा, जिसमें से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य ।  $2 \times 15 = 30$  अंक
३. सभी इकाईयों से कुल मिलाकर सात लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा।  $4 \times 5 = 20$  अंक
४. पाठ्यक्रम में निर्धारित सभी रचनाओं एवं रचनाकारों से सम्बन्धित १० बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जायेंगे।  $6 \times 9 = 54$   
 अंक

## MDEHN 103 लोक-साहित्य

- इकाई १ लोक की अवधारणा; लोक साहित्य: अर्थ एवं स्वरूप; लोक-साहित्य और लोक संस्कृति; लोक-साहित्य की अध्ययन-पद्धतियाँ, लोक-साहित्य के संग्रह की आवश्यकता, लोक-साहित्य के अध्ययन की चुनौतियाँ।
- इकाई २ लोक-साहित्य के प्रकार: लोक गीत, लोक कथा, लोक गाथा, लोक नाट्य और लोक सुभाषित का परिचयात्मक अध्ययन।
- इकाई ३ पूर्वोत्तर (असम, त्रिपुरा, नागालैण्ड, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय तथा सिक्किम) का लोक-साहित्य: सामान्य परिचय, वर्गीकरण एवं विशेषताएँ।
- इकाई ४ पूर्वोत्तर का लोक-साहित्य: अरुणाचल - अरुणाचल का लोक - जीवन, अरुणाचली लोक-साहित्य के विविध रूप, अरुणाचल के लोक-साहित्य का सांस्कृतिक वैशिष्ट्य।
- इकाई ५ पूर्वोत्तर के लोक-साहित्य और हिन्दी लोक-साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन: लोक-गीत, लोकगाथा और लोकोक्तियों का विशेष सन्दर्भ।

अंक विभाजन

पूर्णांक :- १००

आन्तरिक :- २०

बाह्य :- ८०

निर्देश:

- प्रत्येक इकाई से एक-एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य होगा।  $१ \times ३ = ३$
- प्रत्येक इकाई से दो-दो लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा।  $२ \times २ = ४$
- सभी इकाईयों से १० बहुविकल्पीय प्रश्न किये जायेंगे, सभी का उत्तर देना अनिवार्य होगा।  $१ \times १० = १०$

५९

## MDEHN 104 भाषा विज्ञान, हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि

- इकाई १ भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण; भाषा-विज्ञान का स्वरूप: वर्णनात्मक, ऐतिहासिक एवं तुलनात्मक भाषा-विज्ञान; भाषा-विज्ञान से अन्य अनुशासनों का सम्बन्ध; अनुप्रयुक्त एवं समाज भाषा-विज्ञान: अभिप्राय और स्वरूप; व्यतिरेकी भाषा विज्ञान।
- इकाई २ शैली तथा शैली-विज्ञान: परिभाषा तथा स्वरूप, शैली-विज्ञान और भाषा-विज्ञान का सम्बन्ध, अर्थ का सम्प्रेषण; विचलन आदि। सामान्य भाषा, मानक भाषा, शास्त्रीय भाषा, काव्य-भाषा आदि।
- इकाई ३ भारोपीय भाषा-परिवार और हिंदी; हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास: अपभ्रंश, अवहट्ट और पुरानी हिंदी; हिंदी भाषा के नामकरण का प्रश्न; हिंदी की बोलियों का वर्गीकरण और सामान्य परिचय।
- इकाई ४ खड़ी बोली का उद्भव और विकास; फोर्ट विलियम कॉलेज और खड़ी बोली; भाषा विवाद और हिंदी भाषा के स्वरूप का प्रश्न: राजा शिवप्रसाद सितारेहिंद, राजा लक्ष्मणसिंह, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, अयोध्या प्रसाद खत्री, बालकृष्ण भट्ट आदि के मतों का विश्लेषण, हिंदी भाषा की वर्तमान शैलियां और भाषा के मानकीकरण का प्रश्न।

21 70 25  
" 60 30

इकाई ५ देवनागरी लिपि का नामकरण, देवनागरी लिपि का उद्भव और विकास; देवनागरी लिपि का मानकीकरण; देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता, देवनागरी लिपि में सुधार की संभावनाएं।

अंक विभाजन

पूर्णांक :- 900

आभ्यन्तर :- 20

बाह्य :- 50

निर्देश:

- १ प्रत्येक इकाई से एक-एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य होगा।  $9 \times 3 = 27$
- २ प्रत्येक इकाई से दो-दो लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा।  $5 \times 5 = 25$
- ३ सभी इकाईयों से 90 बहुविकल्पीय प्रश्न किये जायेंगे, सभी का उत्तर देना अनिवार्य होगा।  $9 \times 10 = 90$

# MDEHN 201 अधुनिक काव्य

इकाई एक

(क) संत गंगादास- खड़ी बोली और संत गंगादास की कविता; आधुनिक राजनीतिक जागरण और संत गंगादास के काव्य में सामाजिक और पौराणिक चेतना का स्वरूप।

(ख) पाठांश - कलयुग वर्णन के पद

२. (क) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र- हिन्दी नवजागरण एवं भारतेन्दु का काव्य; भारतेन्दु की राजनीतिक चेतना; भारतेन्दु की काव्यगत विशेषताएं।

(ख) पाठांश - भारतेन्दु ग्रंथावली से चयनित काव्यांश

३. (क) मैथिलीशरण गुप्त - स्त्री -चेतना एवं मैथिलीशरण गुप्त का काव्य; साकेत के नवम् सर्ग के सन्दर्भ में गुप्तजी की काव्यगत विशेषताएं; उर्मिला का विरह वर्णन।

(ख) पाठांश- साकेत -नवम् सर्ग - चयनिता गीत

इकाई दो

१. (क) जयशंकर प्रसाद - छायावादी काव्य मूल्य और जयशंकर प्रसाद; प्रसाद के काव्य में राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना; कामायनी का महाकाव्यत्व, कामायनी की प्रतीक-योजना।

(ख) पाठांश- 'कामायनी' के श्रद्धा सर्ग के चुने हुए अंश

२. (क) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' - निराला का काव्य -वैशिष्ट्य; लम्बी कविता की परम्परा और 'सरोज-स्मृति'; 'राम की शक्ति-पूजा' का प्रतिपाद्य, निराला का काव्य शिल्प।

(ख) पाठांश - सरोज-स्मृति

(ग) महादेवी वर्मा - महादेवी के काव्य में वेदना-तत्त्व; महादेवी वर्मा की प्रतीक योजना; महादेवी वर्मा के प्रगीतों में भाव-सौन्दर्य

पाठांश - मैं नीर भरी दुख की बदली; जाग तुझको दूर जाना।

इकाई तीन (क) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय-प्रयोगवादी-काव्य

और अज्ञेय; नयी कविता को अज्ञेय की देन; अज्ञेय के काव्य-प्रयोग और काव्य भाषा;

पाठांश - नदी के द्वीप

(ख) मुक्तिबोध - लम्बी कविता की कसौटी पर 'अंधेरे में' ;

फैन्टेसी और मुक्तिबोध का काव्य; मुक्तिबोध के काव्य में आधुनिक भारत का यथार्थ।

पाठांश - भूल गलती।

(ग) नागार्जुन - नागार्जुन के काव्य में यथार्थ चेतना; प्रगतिवादी काव्य

चेतना और नागार्जुन; जन कवि के रूप में नागार्जुन।

पाठांश - अकाल और उसके बाद

इकाई चार (क) रघुवीर सहाय - रघुवीर सहाय के काव्य में राजनीतिक चेतना;

रघुवीर सहाय के काव्य में भाषिक प्रयोग; समकालीन कविता और रघुवीर सहाय।

पाठांश -

(ख) माहेश्वर तिवारी- नवगीत परम्परा में माहेश्वर तिवारी का स्थान; माहेश्वर तिवारी के नवगीतों का भाव-सौंदर्य एवं शिल्पगत वैशिष्ट्य।

(ग) दुष्यन्त कुमार - हिन्दी गजल और दुष्यन्त कुमार; दुष्यन्त के काव्य में स्वातंत्र्योत्तर भारतीय जीवन का यथार्थ; दुष्यन्त का काव्य-सौष्ठव ।

पाठांश - हो गयी है पीर पर्वत सी पिछलनी चाहिए ।

इकाई पांच (क) अरुण कमल- समकालीन काव्य मूल्य और अरुण कमल की कविता; हिन्दी कविता में प्रतिरोध की चेतना और अरुण कमल । समसामयिक जीवन के प्रश्न और अरुण कमल की कविता ।

पाठांश -

(ख) कात्यायनी- स्त्री विमर्श और कात्यायनी की कविता; कात्यायनी की कविता में स्त्री-पीड़ा के बिम्ब; समसामयिक जीवन-बोध और कात्यायनी का काव्य ।

पाठांश - होंकी खेलती लड़कियां

(ग) मलखान सिंह- परम्परागत समाज-व्यवस्था का प्रतिरोध और दलित कविता; दलित-विमर्श के परिप्रेक्ष्य में मलखान सिंह के काव्य का मूल्यांकन ।

पाठांश- सुनो ब्राह्मण ।

अंक विभाजन

पूर्णांक :- १००

आश्व्यन्तर :- २०

बाह्य :- ८०

निर्देश:

१ प्रत्येक इकाई से एक-एक व्याख्या पूछी जायेगी, , जिनमें से किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या करनी अनिवार्य होगी ।

३X८= २४ अंक

- २ प्रत्येक इकाई एक-एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा, जिसमें से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य ।  $2 \times 15 = 30$  अंक
- ३ सभी इकाईयों से कुल मिलाकर आठ लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्हीं पांच का उत्तर देना अनिवार्य होगा ।  $5 \times 4 = 20$  अंक
- ४ पाठ्यक्रम में निर्धारित सभी रचनाओं एवं रचनाकारों से सम्बन्धित १० बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जायेंगे ।  $10 \times 1 = 10$  अंक

## MDEHN 202 हिन्दी गद्य साहित्य

- इकाई १ उपन्यास- गोदान - प्रेमचंद;  
समालोचना- गोदान एवं भारतीय किसान; गोदान में दलित और स्त्री-प्रश्न; महाकाव्यात्मक उपन्यास के परिप्रेक्ष्य में गोदान; गोदान में आदर्श और यथार्थ।
- इकाई २ नाटक  
क. अन्धेर नगरी - भारतेन्दु हरिश्चन्द्र;  
समालोचना-अन्धेर नगरी का नाट्य-शिल्प; अन्धेर नगरी में यथार्थ-बोध; अन्धेर नगरी की प्रासंगिकता।  
ख. आधे-अधूरे - मोहन राकेश;  
समालोचना आधे-अधूरे में आधुनिकता-बोध; आधे-अधूरे की प्रयोग धर्मिता; आधे-अधूरे की नाट्य-भाषा।
- इकाई ३ निबंध  
बालकृष्ण भट्ट - हृदय  
रामचन्द्र शुक्ल - काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था।  
हजारी प्रसाद द्विवेदी - साहित्यकारों का दायित्व।  
विद्यानिवास मिश्र - जीवन अपनी देहरी पर।  
समालोचना - निबंधकारों की निबंध-शैली; पाठ्य-निबंधों का प्रतिपाद्य और समीक्षात्मक अध्ययन।
- इकाई ४ कहानी - चंद्रधर शर्मा गुलेरी-उसने कहा था  
प्रेमचंद - ठाकुर का कुंआ।  
मोहन राकेश - मलबे का मालिक।

मन्नू भण्डारी - यही सच है।

ओम प्रकाश वाल्मीकि - सलाम

समालोचना- कहानीकारों की कहानी-कला; कहानियों की तात्विक समीक्षा; प्रतिपाद्य और कथा भाषा।

इकाई ५

यात्रावृत्त, संस्मरण, रेखाचित्र, रिपोर्टाज,

यात्रावृत्त - अज्ञेय- परशुराम से तुरख तक

संस्मरण - मैं इनके साथ जिया- विष्णु प्रभाकर।

रिपोर्टाज - ऋणजल- धनजल- फणीश्वरनाथ रेणु

आत्मकथा - 'गुडिया भीतर गुडिया' का एक अंश -

मैत्रेयी पुष्पा

रेखाचित्र - 'भाभी'-महादेवी वर्मा

जीवनी - महापंडित राहुल -गुणाकर मुले

समालोचना - विभिन्न विधाओं की रचनाओं का समीक्षात्मक अध्ययन

अंक विभाजन

पूर्णांक :- १००

आभ्यन्तर :- २०

बाह्य :- ८०

निर्देश:

१ प्रत्येक इकाई से एक-एक व्याख्या पूछी जायेगी, , जिनमें से किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या करनी अनिवार्य होगी।  $3 \times 8 = 24$  अंक

२

३ प्रत्येक इकाई एक-एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा, जिसमें से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य।  $2 \times 15 = 30$  अंक

४

५ सभी इकाईयों से कुल मिलाकर आठ लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्हीं पांच का उत्तर देना अनिवार्य होगा।  $8 \times 4 = 32$  अंक

६

४ पाठ्यक्रम में निर्धारित सभी रचनाओं एवं रचनाकारों से सम्बन्धित १० बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जायेंगे।  $4 \times 9 = 36$  अंक

## इकाई - १

भारतीय संविधान में राजभाषा संबंधी प्रावधान  
 अनुच्छेद ३४३ से ३५१ तक  
 राष्ट्रपति के आदेश सन् १९५२, १९५५ एवं १९६०  
 राजभाषा अधिनियम-१९६३ यथा संशोधित-१९६७  
 राजभाषा नियम- १९७६

राजभाषा के रूप में हिन्दी की चुनौतियां एवं भूमिका

## इकाई - २

कार्यालयी हिन्दी के प्रमुख प्रकार्य

प्रारूपण  
 पत्रलेखन  
 संक्षेपण  
 पल्लवन  
 टिप्पणी  
 परिपत्र  
 ज्ञापन  
 मसौदा

## इकाई ३

अनुवाद: अर्थ एवं अभिप्राय; अनुवाद की पद्धतियां-मानवकृत  
 अनुवाद व मशीनी अनुवाद; अनुवाद के प्रकार- अन्तःभाषिक  
 अनुवाद, अन्तरभाषिक अनुवाद, अन्तर अनुशासनिक अनुवाद,  
 साहित्यिक अनुवाद, जन-संचार सम्बन्धी सामग्री का अनुवाद,  
 कार्यालयीन सामग्री का अनुवाद, अन्तर प्रतीकात्मक अनुवाद,  
 अनुवाद की कसौटी; अनुवादक की कसौटी; अनुवाद की चुनौतियां;  
 अनुवाद की भूमिका।

इकाई ४ कम्प्यूटर एवं मीडिया लेखन: समाचार लेखन, रेडियो-लेखन, विज्ञापन-लेखन, फीचर-लेखन, पटकथा - लेखन।  
मीडिया और कम्प्यूटर।

इकाई ५ दुभाषिया विज्ञान: दुभाषिया-अर्थ एवं परिभाषा, दुभाषिया की भूमिका और कार्य-क्षेत्र, दुभाषिया के गुण; आशु अनुवाद: अभिप्राय एवं परिभाषा, अनुवाद एवं आशु अनुवाद में अन्तर, आशु अनुवाद का क्षेत्र, आशु अनुवाद की प्रक्रिया; आशु अनुवाद की पूर्व तैयारी; विषयगत ज्ञान, तकनीकी ज्ञान; आशु अनुवाद की पद्धतियां- व्यक्ति आशु अनुवाद, मशीनी आशु अनुवाद।

अंक विभाजन

पूर्णांक :- १००

आन्तर :- २०

बाह्य :- ८०

निर्देश:

- ७ प्रत्येक इकाई से एक-एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य होगा।  $१५ \times ३ = ४५$
- ८ प्रत्येक इकाई से दो-दो लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा।  $५ \times ५ = २५$
- ९ सभी इकाईयों से १० बहुविकल्पीय प्रश्न किये जायेंगे, सभी का उत्तर देना अनिवार्य होगा।  $१ \times १० = १०$

## MDEHN 204 भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र तथा समालोचना

- इकाई १ भारतीय काव्य-शास्त्र का इतिहास-संस्कृत एवं संस्कृतेतर; काव्य-लक्षण; काव्य-प्रयोजन, काव्य-हेतु; काव्य के प्रकार; रस की अवधारणा; रस -सिद्धांत; रस का स्वरूप; रसनिष्पत्ति; रस के अंग; साधारणीकरण और सहृदय की अवधारणा।
- इकाई २ अलंकार-सम्प्रदाय, रीति सम्प्रदाय, ध्वनि-सम्प्रदाय, वक्रोक्ति सम्प्रदाय: स्वरूप एवं मूल स्थापनाएं; औचित्य सिद्धान्त: स्वरूप एवं मूल स्थापनाएं।
- इकाई ३ प्लेटो का काव्य-सिद्धांत; अरस्तू का अनुकरण, विरेचन एवं त्रासदी सिद्धान्त; लोजाइनस का उदात्त तत्त्व; क्रोचे का अभिव्यंजना-सिद्धांत; कॉलरिज का कल्पना सिद्धांत; वर्ड्सवर्थ का भाषा-चिन्तन; आई. ए. रिचर्ड्स का मूल्य -सिद्धांत एवं काव्य भाषा , टी.एस इलियट: परम्परा और वैयक्तिक प्रज्ञा, निवैयक्तिकता का सिद्धान्त।
- इकाई ४ हिन्दी आलोचना के सिद्धांत एवं प्रणालियां; हिन्दी में काव्यशास्त्रीय चिन्तन और हिन्दी आलोचना का विकास, प्रमुख आलोचना सिद्धान्त: लोकमंगल का सिद्धान्त, आकर्षण-शक्ति सिद्धान्त, रचना के तीन क्षण। स्वच्छन्दतावादी, मार्क्सवादी, समाजशास्त्रीय, सौन्दर्यशास्त्रीय, शैली-वैज्ञानिक तथा नयी समीक्षा आलोचना प्रणालियों का अध्ययन।

इकाई ५

हिन्दी के प्रमुख आलोचक: आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, शिवदान सिंह चौहान, आचार्य नन्ददुलारे बाजपेयी, डॉ. नगेन्द्र, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. रामविलास शर्मा, मुक्तिबोध तथा डॉ. नामवर सिंह।

अंक विभाजन

पूर्णांक :- 900

आभ्यन्तर :- 20

बाह्य :- 50

निर्देश:

- १ प्रत्येक इकाई से एक-एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य होगा।  $9 \times 3 = 27$
- २ प्रत्येक इकाई से दो-दो लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा।  $4 \times 4 = 16$
- ३ सभी इकाईयों से 90 बहुविकल्पीय प्रश्न किये जायेंगे, सभी का उत्तर देना अनिवार्य होगा।  $9 \times 10 = 90$